

(4)

धुरा पर पेंच (set screw) टिपरी (bolt) या चाबी (key) धुरा (spindle) चक्का (wheel) या दांतेदार पीहिया (pinion) को इस प्रकार लगाया जायगा कि कोई खरता उत्पन्न ना हो तथा उन्हें सुरक्षापूर्ण स्थिति में रखा जा सके। सभी दांतेदार पीहिया (spur) स्पीरि नालिका (worm) एवं अन्य घर्षण गीयर (Friction gearing) को उबले में बन्द (encased) रखा जायेगा।

(7) रूई खोलने के पास स्त्रियाँ और बालकों के नियोजन पर प्रतिबंध (prohibition of employment of women and children near cotton openers)

अरखाना के उन भागों में जहाँ रूई खोलने, बराले तथा दवाने का कार्य किया जाता है, वहाँ स्त्रियाँ तथा बालकों के नियोजन पर प्रतिबंध है। लेकिन रूई के गहूर जनने (feed-end) का काम कर सकते हैं, यदि यह स्थान रूई खोलने धुनने तथा दवाने के स्थान से अलग हो।

(8) उठाव यंत्र या उतरोलक और उपर नीचे ले जाने वाला उत्पापक (Hoists and lifts)

उतरोलक (Hoists) एवं उत्पापक (Lifts) का निर्माण ठोस सामग्री के द्वारा होना आवश्यक है। इसका समुचित दोग से रख-रखाव किया जायगा, तथा प्रत्येक 6 माहों में इसकी पूर्ण परीक्षा द्वारा कराई जाएगी। उतरोलक तथा उत्पापक मार्ग पूर्णतः संरक्षित रखना आवश्यक है। प्रत्येक उतरोलक तथा उत्पापक पर अधिकतम सुपहमीय भार (Maximum,

(2)

(2) गतिमान यंत्रों पर या उसके निकट काम (Work on or near machinery in motion)

यदि गतिमान यंत्रों का परीक्षण करना आवश्यक हो तो ऐसा परीक्षण केवल प्रशिक्षित व्यक्तियों द्वारा करना चाहिए। किसी भी कर्मचारी को गतिमान यंत्रों (Moving pulley) पर चढ़ने तथा बेल्ट (Belt) को ढीले करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, यदि बेल्ट (Belt) की चौड़ाई 15 सेन्टीमीटर से कम हो। किसी भी महिला तथा युवा कर्मचारियों को मुख्य गतिमान यंत्र (Prime mover machinery) तथा संचरण यंत्र (Transmission machinery) के किसी भाग की सफाई या तेल देकर चर्षण कम करने (Lubricate) या समायोजन (Adjustment) की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(3) खतरनाक मशीनों पर युवा व्यक्तियों का नियोजन (Employment of young persons on dangerous machines)

किसी भी युवा व्यक्तियों को किसी भी यंत्र (Machine) पर काम करने की अनुमति तब तक प्रदान नहीं किया जाएगा, जब तक कि उसे यंत्र (Machine) में उत्पन्न होने वाले खतरों एवं सुरक्षात्मक उपायों के बारे में धारा नहीं दिया जाता है। इसके अतिरिक्त युवा व्यक्तियों को कार्य का पूर्ण प्रशिक्षण देना तथा अनुभवी व्यक्तियों को कार्य का पूर्ण प्रशिक्षण देना तथा अनुभवी व्यक्तियों के पर्यवेक्षण (Supervision) में रखना अनिवार्य है। इस संबंध में राज्य-सरकार को दिशा निर्देश देने का अधिकार है।

(5)

Safe working load) स्पष्ट रूप से अंकित किया जाना आवश्यक है। ठोस तथा उत्पाक से पर्याप्त दरवाजा का क्षेत्र आवश्यक है।

(9) ऊपर-नीचे ले जाने वाला यंत्र या उत्पाक यंत्र तथा जंजीरें, रस्से आदि (Lifting machines, chains, ropes etc.)

प्रत्येक कारखाना में वजन या भार उठाने वाला मशीन में उपयोग में लाई जाने वाली जंजीरों (chains), रस्सियों (ropes) और उत्पाक रस्सा औजार (Lifting-tackles) के निर्माण रख-रखाव के साक्ष्य लिए वही मानक निर्धारित कर दिए गए हैं जो उल्लेख (Hoists) तथा उत्पाक (lifts) के लिए लागू होते हैं।

(10) घूमन्तू या परिक्रामी यंत्र (Revolving machinery).

जिस कारखाना में घिसाई (grinding) की प्रक्रिया चलती हो, वहाँ प्रत्येक मान लगाने के पत्थर या मान (Grind stone) या घिसने वाले चक्र (abrasive wheel) की अधिकतम सुरक्षित चाल की सूचना स्थायी रूप से लिखी होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त लम्बा धुरा (spindle) जिस पर चक्रा लगा होता है कि अग्नि का भी लिखा होना आवश्यक है। इसी तरह घूमन्तू पात्रों (Revolving vessels) पिंजर (eage) जैसी (basket) गति-चालक चक्र (fly wheel) चिरजी (pully) के निर्धारित भार के उल्लंघन को रोकने के भी प्रभावी उपाय किए जायेंगे।

कारखाना अधिनियम, 1948

सुरक्षा सम्बन्धी उपबन्ध

(Provisions relating to safety)

अधिनियम के सुरक्षा सम्बन्धी महत्वपूर्ण उपबन्ध हैं, जिसकी चर्चा धारा 21 से 41 में की गई है जो निम्न-लिखित हैं -

(1) यंत्रों की घेरा- (Fencing of Machinery)

प्रत्येक कारखाना में यंत्रों या उनके भागों की घेरा आवश्यक है, इनमें से यंत्र सम्मिलित हैं

- (i) मशीन का मुख्य गतिमान भाग (Moving part of Prime-mover) तथा गतिपालक-चक्र (Fly wheel)
- (ii) जलचक्र (Water wheel) और जल हर्बिडन (Water turbine) में पनचक्की की मुख्य-चाल (Head race) तथा चक्की के निचला नाला जिससे पानी निकाला जाता है (tail race)
- (iii) विद्युत उत्पादक (Electric generator), मोटर (Motor) एवं घूमने वाला बिजली के करण में परिवर्तन करने वाला यन्त्र (Rotary converter) संचारन मशीनरी के भाग (Transmission machinery) तथा मशीन के प्रत्येक खतरनाक भाग (Dangerous parts of Machinery) इस संबंध में राज्य सरकार को नियम बनाने का अधिकार है।

(3)

(4) अद्भूत या चित्राकर्षक उपकरण और शक्ति को आघात करने की युक्तियाँ (Striking Gear and Devices for cutting off power)

चलने वाले (Driving Belt) के लिए उपयुक्त अद्भूत उपकरण (striking gear) तथा कार्यक्षम यांत्रिक उपकरण (efficient mechanical appliances) का इस्तेमाल किया जाएगा। इस बात का ध्यान रखना आवश्यक होगा कि पट्टा (belt) द्रुतगति चिखनी (fast pulley) पर वापस ना आ जाए। आपातकालीन परिस्थितियों में शक्ति या बिजली (power) को आघात या बंद करने हेतु उपयुक्त उपकरण की व्यवस्था आवश्यक है।

(5) स्वचालित यंत्र (self acting machines)

किसी भी कारखाना में स्वचालित यंत्र के तिरछे भाग (transversing part) के ऊपर से कोई भी सामग्री तभी ले जाया जायेगा जब किसी व्यक्ति के चलने लायक पावक हो, अर्थात् यंत्र के बाहरी या भीरी गमन पथ (outward or inward traverse) के 18 इंच की दूरी के अन्दर नहीं चलने दिया जायेगा। अधिनियम के लागू होने के प्रति स्थापित उद्योगों को इस सम्बन्ध में मुख्य कारखाना निरीक्षक द्वारा धुटे दिया जा सकता है।

(6) नये यंत्रों का बाहरी कवर (easing of new machinery)

अधिनियम के लागू होने के बाद स्थापित प्रत्येक कारखाना में यंत्रों के विभिन्न भागों जैसे धूमने हुए

कोई भाग या यांत्रिकी या संयंत्र खतरनाक स्थिति में है, जिससे मानव जीवन को खतरा उत्पन्न हो सकता है तो उस भाग के प्रयोग हेतु स्वयंसेवक आदेश दे सकता है, जब तक कि उनकी उचित मरम्मत नहीं कर ली जाती तथा उसकी गुणवत्ता की जाँच निर्धारित जाल द्वारा नहीं कर ली जाती है।

(21) भवनों एवं यंत्रों की सुरक्षा (Safety of Building and machinery)

कारखाना निरीक्षण की नज़र में कारखाना के किसी भवन या भवन का कोई भाग या भागों का कोई भाग यंत्र या संयंत्र से मानव जीवन में कोई खतरा उत्पन्न हो सकता है तो वह आधिष्ठाता (Occupier) या प्रबंधक (Manager) को निर्धारित तिथि तक भवनों या यंत्रों को सुरक्षित बनाने हेतु लिखित निर्देश दे सकता है।

(22) भवनों की रक्षा या रख-रखाव (Maintenance of buildings)

अगर कारखाना निरीक्षक यह महसूस करेगा कि कारखाना का कोई भवन या भवन का कोई भाग श्रमिकों के स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए हानिकारक समीक्षित हो सकता है तो कारखाना के उस भाग के प्रयोग को मरम्मत होने तक स्थगित रखा जा सकता है। कारखाना निरीक्षक आधिष्ठाता (Occupier) या प्रबंधक (Manager) को निर्धारित तिथि तक इसकी मरम्मत का लिखित आदेश दे सकता है।

(23) सुरक्षा अधिकारी (Safety officer)

प्रत्येक कारखाना में जिसमें एक हजार या इससे अधिक श्रमिक नियुक्त हों तथा राज्य सरकार की बाहर में विनिर्माण प्रक्रिया से नियोजित व्याप्तियों की शारीरिक नज़र की संभावना, विष प्रयोग (poisoning) या बीमारी या कोई अन्य खतरा से व्यक्तियों का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है तो वहाँ राज्य सरकार द्वारा अपेक्षित संख्या में सुरक्षा अधिकारियों के कर्तव्यों परिभाषित तथा सेवा की बातों का निर्धारण राज्य सरकार कर सकती है।

(24) इस अध्याय के परिच्छेद से संबंधित नियम बनाने की शक्ति (Power to make rules to supplement this chapter)

राज्य सरकार किसी भी कारखाना में नियोजित व्यक्तियों के सुरक्षा की गारंटी से संबंधित कोई भी नियम बना सकती है।

(11) दबाव संयंत्र (Pressure plant)

जिस काम में सामान्य वायुमंडलीय दबाव से अधिक दबाव की आवश्यकता होती है उसके लिए सुरक्षित छिद्रम वायु-दबाव की व्यवस्था की जायेगी। इस संबंध में राज्य सरकार किसी भी संयंत्र या यंत्र के परीक्षा (Examination) तथा जांच (testing) हेतु नियम बना सकती है। राज्य सरकार को इस उपबंध में धूरे देने का भी अधिकार है।

(12) फर्श सीढ़ियाँ एवं प्रवेश साधन (Floors stairs and means of Access)

प्रत्येक कारखाना में फर्श (floors) कदम (steps) रास्ता (Passages) तथा गलियारा (gang ways) का भण्डवृत्ती से निर्माण होना चाहिए तथा उसका उचित ढंग से देख-रेख होना चाहिए। आवश्यकतानुसार सीढ़ियों में पकड़ने के लिए कण्डा या हैंडरेलिंग (Handrails) लगाना जाना चाहिए। प्रत्येक कारखाना में जहाँ तक संभव हो सके सभी श्रमिकों के लिए सुरक्षित प्रवेश साधन की व्यवस्था होनी चाहिए।

किसी व्यक्ति के कार्यस्थल से दो मीटर से अधिक की दूरी से गिरने की संभावना हो तो वहाँ सुरक्षा के लिए आड़ या बाड़ (fencing) लगाना या अन्य उपाय करना आवश्यक है।

(13) गड्ढा या खिल, हॉल या दूसरे प्रकार का फर्श में खुलना (pits, sumps, openings in floors and others)

प्रत्येक स्थिर पात्र (fixed vessels), गड्ढा (pits),

की अनुमति नहीं दी जाएगी, जहाँ स्वरणमय धुआँ की उपस्थिति से व्यक्ति के जीवन को खतरा हो।

ऐसे स्थानों में प्रवेश के पूर्व उनमें मौजूद धुआँ, गैस, वाष्प या धूलकणों को हटाना आवश्यक है। इस संबंध में समूह व्यक्ति द्वारा प्रमाण पत्र निर्गत किए जाएंगे कि वह ज्ञान व्यक्तियों के प्रवेश करने के योग्य हो गया है। ऐसे स्थानों में प्रवेश करने वाले व्यक्ति को उपयुक्त श्वसन उपकरण पहनना आवश्यक है।

(17) वहनीय विद्युत् प्रकाश के उपयोग से संबंधित सावधानी
(Precautions regarding use of portable electric light)

वहनीय विद्युत् प्रकाश या अन्य कोई विद्युत् उपकरण जिसकी विद्युत् शक्ति 24 वोल्ट से अधिक हो, को किसी बन्द स्थान (chamber), तालाब (tank), कुंड (vat), नलिका (pipe), चिमनी (flue) या किसी संकीर्ण स्थान में ले जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उपरोक्त सभी निषिद्ध स्थानों के भीतर यदि ज्वलनशील गैस, धुआँ या धूल पाया जाता है, तो वहाँ सिर्फ अग्निजित (Proof fire) लेप का ही प्रयोग किया जाएगा।

(18) विस्फोटक या ज्वलनशील धूल गैस आदि (Explosive or inflammable dust gas etc)

किसी कारखाना के विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान धूल, गैस, धुआँ या वाष्प इतनी मात्रा में निकलती है, जिससे विस्फोट होने का संभावना हो तो वहाँ विस्फोट से बचाव हेतु संयंत्र या यंत्रों में प्रभावकारी आवरण

हॉज (dumps) या भूमि या फर्श में दरार जो बवतरे के श्रोत के रूप में जाना जाता है, उसे सुरक्षित रूप से ढका जाएगा या आड़ (fence) लगाया जाएगा। राज्य सरकार को इस अपबंध में दूर देने का अधिकार किसी भी कारखाने को है।

(14) अत्यधिक भार (Excessive weight)

किसी भी कारखाना में श्रमिकों को भारी बोझ उठाने, ले जाने या खिसकाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिससे कि उसे पीड़ा (injury) पहुँचने की संभावना हो। राज्य सरकार वयस्क पुरुषों, वयस्क स्त्रीकलाओं, किशोरों एवं बालकों के लिए इस संबंध में आवश्यक नियम बना सकती है।

(15) आँखों की सुरक्षा (Protection of eyes)

यदि किसी कारखाना के विनिर्माण प्रक्रिया द्वारा श्रमिकों की आँखों की हानि पहुँचने की संभावना रहती है तो राज्य सरकार आँखों की रक्षा हेतु प्रभावकारी पर्दे (screens) या उपयुक्त शीलन चश्मा (goggles) की व्यवस्था को अनिवार्य कर सकती है।

(16) खतरनाक धुआँ जैसे वुत्वादि से सावधानी (Precautions Against dangerous fumes gases and others)

किसी कारखाने में किसी भी व्यक्ति को किसी बन्द स्थान (Chamber), तालाब (Tanks), कुंड (vat), नलिका (pipe), चिमनी (flue) या किसी संकीर्ण स्थान में प्रवेश